जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 17 संख्याः 88 प्रभात जालोर, मंगलवार 5 जुलाई, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

निकट भविष्य में ऑयल की कीमत 380 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचेगी

अमेरिका के जाने-माने बैंक, जे.पी. मॉर्गन के इस आकलन से भारी संख्या में इकॉनमिस्ट सहमत हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। अमेरिका के जाने माने बैंक जे.पी. मार्गन ने सुझाव दिया है कि पैट्रोल की कीमतें जल्दी ही 380 डॉलर प्रति बैरल डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। बैंक ने अपनी भविष्यवाणी ऑयल मार्केट्स के ट्रैण्ड्स और बड़े उत्पादकों की सप्लाई के आधार पर की।

इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विध्वंसकारी असर पड़ सकता है। भारत विशेष रूप से बुरी तरह से प्रभावित होगा क्योंकि देश को अपने ऑयल तथा गैस उपभोग का 75 से 80 प्रतिशत आयात करना होता है। देश को पैट्रोलियम पदार्थों की सतत सालानी का हमेशा ध्यान रखना पड़ता है।

करीब 4सौ डॉलर प्रति बैरल की ऑयल कीमत किसी भी सूरत में भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। भारत की बात छोड़िए, जो कि अब भी एक बेहतर स्थिति में हैं, कई अन्य उभरते व गरीब देश फिर से घोर गरीबी का शिकार हो सकते हैं।

- ऑयल की कीमत में इतनी भारी वृद्धि का मुख्य कारण है, रूस और यूरोपियन यूनियन के बीच चल रही आर्थिक युद्ध सी स्थिति।
- यूरोपियन यूनियन व अमेरिका द्वारा रूस से व्यापार करने के खिलाफ प्रतिबंध लगाने से, ऑयल की आवक कम हो गयी है बाजार में तथा कीमत धीरे-धीरे बढ़ रही है। पर जैसे ही विश्व की इकॉनमी की स्थिति में थोड़ा भी सुधार हुआ, ऑयल की कीमत में भारी उछाल आयेगा।
- रूस के साथ व्यापार पर लगे प्रतिबंध का भी उतना प्रभाव नहीं पड़ रहा। क्योंकि रूस सीधे ग्राहकों को ऑयल सप्लायी कर रहा है, हालांकि सप्लायी उतनी नहीं, जितनी प्रतिबंधों से पहले थी।
- पर, रूस ने ऑयल की कीमत बढ़ाकर अपनी आमदनी को गिरने नहीं दिया है और लम्बे समय तक युद्ध लड़ने की स्थिति में है।
- यूरोपियन यूनियन व अमेरिका ऑयल की कीमत पर सीलिंग लगाने की सोच रहे हैं, रूस को और दिक्कत में डालने के लिये।

जे.पी. मॉर्गन ने ध्यान दिलाया है कि ऑयल तथा गैस की सप्लाई में आ रहे व्यवधान मनोवेग बढ़ा रहे हैं और कीमतें वर्तमान में ऊपर जा रही हैं। तथापि इन मनोभावों में रूपान्तरण हो सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में थोड़ा सुधार आने पर तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

आयल मार्केट की खबरों ने संकेत दिया किया कि ग्लोबल ऑयल मार्केट्स में कीमतें कम होने का मनोभाव ऑयल की कीमतों में तेजी का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ऐसा मुख्यत: कोविड् वैश्विक महामारी के संभावित अंत और वैश्विक अर्थव्यवस्था में पुन: रिकवरी की बातों के कारण है।

इसके साथ ही रूस पर लगे व्यापक प्रतिबंध वहां से बाजारों में ऑयल के संभावित निर्यात के एक बड़े हिस्से को चलन से बाहर रखे हुए है। वास्तव में रूस अपने उत्पादित तेल को बेच रहा है, हालांकि ऐसा उत्पादक और खरीदारों के बीच प्रत्यक्ष सम्पर्कों के कारण ही हो रहा है।

रूस पर लगे प्रतिबंध वैश्विक बाजारों को नुकसान पहुंचाने लग गए हैं और पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी तंगहाली में आ रही हैं। ऐसा रूस की नीति के कारण भी है जो यूक्रेन का समर्थन करने के कारण पश्चिमी देशों को दण्ड देना चाहता है।

प्रतिबन्ध लगाये जाने के परिणाम स्वरूप, अपनी नीतियों और रूख को बदलने के बजाय, रूस पश्चिमी को किये जाने वाले निर्यातों को नियन्त्रित करने में पहले से दोगुनी कमी कर रहा है। वह ऐसा आसानी से कर सकता है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पत्रकारिता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जुलाई। देश की राजधानी में पत्रकारों ने सोमवार को चिंता प्रकट करते हुए कहा कि सरकार को अपनी कानून प्रवर्तन एजेन्सियों को मनमाने तरीके से काम करने से रोकना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- देश की राजधानी में प्रैस क्लब में हुई पत्रकारों की बैठक में केन्द्र सरकार से अपील की गई कि पत्रकारों के खिलाफ मनमानी कार्यवाही बंद की जाए।

बैठक रद्द

जयपुर, 4 जुलाई (का.प्र.)। राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के बीमार होने के कारण 5 जुलाई को जयपुर के होटल क्लार्क आमेर में होने वाली विधायक दल की बैठक को रद्द कर दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस विधायक दल की 5 जुलाई की बैठक और भोज को रद्द कर दिया गया है। राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी यशवन्त सिन्हा के प्रचार हेतु आगमन पर बैठक होनी थी।

द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी पर भाजपा व यशवंत सिन्हा में लेई-देई शुरू

सिन्हा ने कहा, द्रौपदी मुर्मू विश्वास दिलायें कि वे ''रबड़-स्टाम्प'' राष्ट्रपति नहीं होंगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। भाजपा, जो बयानों और टिप्पणियों को संदर्भ से अलग हटाकर, तोड़ने-मरोड़ने में सिद्धहस्त है, ने आज राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की इस अपील को तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश की, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिद्वंदी द्रौपदी मुर्मू से कहा था कि वे यह पक्का करें कि राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाने की स्थिति में वे ''रबर स्टाम्प राष्ट्रपति'' नहीं बनेंगी।

सिन्हा की इस अपील से परेशान एवं उत्तेजित होते हुये, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि से कहा कि वे राष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार पर उनकी ''रबर स्टाम्प राष्ट्रपति'' वाली टिप्पणी को लेकर, पलटवार करें।

रवि ने सिन्हा के शब्दों को तोड़ते-मरोड़ते हुये, आज कहा कि यह सोच ही कि एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति पद के लिये सामर्थ्यवान नहीं है, व्यक्ति की ''घिनौनी मानसिकता'' को दर्शाती है।

रवि उस प्रश्न पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे, जो सिन्हा द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू से की गई अपील से संबंधित था कि द्रौपदी मुर्मू, जो ओडिशा के आदिवासी समुदाय हैं, यह आश्वासन दें कि वे ''रबर स्टाम्प राष्ट्रपति'' नहीं बनेंगी।

रवि ने कहा, ''निश्चित रूप से, देश को रबर स्टाम्प राष्ट्रपति नहीं चाहिये, लेकिन इसके साथ ही, अपने दम पर आगे बढ़ी एक आदिवासी महिला, जो अपनी सामर्थ्य सिद्ध कर चुकी हैं, के खिलाफ एक झूठे दुष्प्रचार में लिप्त होने की मानसिकता खतरनाक है। ऐसी मन:स्थिति खतरनाक होती है जिसमें व्यक्ति केवल स्वयं को ही (किसी चीज या पद के) काबिल मानता है।''

बेंगलुरू में मीडियाकर्मियों से बात करते हुये, वे मुर्मू के विश्वासोत्पादक गुणों को साबित करते रहे ताकि जनता में उनके प्रति हमदर्दी की भावना पैदा हो तथा लोगों को यह लगे, मानो सिन्हा ने उन्हें पीड़ा पहुँचाई है, उन पर अत्याचार किया है। रवि ने कहा, ''मुर्मू, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने प्रत्युत्तर में कटाक्ष किया कि, सिन्हा का यह सोचना कि, वो ही निष्पक्ष व योग्य राष्ट्रपति हो सकते हैं, कोई आदिवासी महिला नहीं, एक विकृत सोच का द्योतक है।
- यशवन्त सिन्हा ने यह भी कहा कि, भाजपा, ई.डी. व इन्कम टैक्स को उपयोग कर रही है, अपने प्रतिद्वंद्वियों को ठिकाने लगाने के लिये। भाजपा के महासचिव ने कहा, जो ईमानदारी से व्यापार/काम करते हैं उन्हें ई.डी./आयकर का कोई भय नहीं होता। पर, जो भ्रष्ट हैं उन्हें जरूर ई.डी. व इन्कम टैक्स का भय सताता रहता है।

जापान में लू

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। जापान सबसे भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। वहां के अधिकारी जनता से अनुरोध कर रहे हैं कि वे लू से बचने के लिए अपने एयर कंडीशनर्स चालू रखें। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक खबर कहती है कि ऐसा करने से पावर सप्लायी में कमी आ सकती है।

जापान की वृद्ध आबादी लू और थकावट के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है और अधिकारियों ने लू को कई मौतों का कारण माना हैं।

अस्तपतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही के दिनों में लू और थकावट के लक्षणों वाले 4 हजार 5 सौ से अधिक लोगों को एम्बूलैंसों में अस्पताल ले जाया गया। यह आंकड़ा एक वर्ष पूर्व की इसी अवधि से चार गुना अधिक है। अधिकांश मरीज 65 से अधिक उम्र के थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जापान अब तक की सबसे भीषण गर्मी का सामना कर रहा है, वहां भारी लू चल रही है।

'कांग्रेस के नेताओं-कार्यकर्ताओं को डिज़ायर की आवश्यकता क्यों पड़े'

कांग्रेस के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने उठाया डिज़ायर सिस्टम पर सवाल

जयपुर, 4 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान में सरकार ने तबादलों से बैन हटा दिया है और इन दिनों मंत्री-विधायकों के यहां तबादला कराने के इच्छुक कर्मचारियों और उनके परिजनों का आना-जाना लगा हुआ है, लेकिन कांग्रेस सरकार में परंपरा बन चुकी है जिसके तहत तबादला चाहने के इच्छुक कर्मचारियों को क्षेत्रीय विधायक,या हारे हुए कांग्रेस उम्मीदवार की डिजायर कराना जरूरी होता है, अन्यथा उसकी ट्रांसफर एप्लीकेशन को कचरे के डिब्बे में डाल दिया जाता है। इसी डिजायर सिस्टम को लेकर कांग्रेस के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने सवाल उठाए हैं और कहा है कि जो कार्यकर्ता लंबे समय से पार्टी में काम कर रहा है, उसे अपने परिजनों का काम कराने के लिए किसी भी विधायक की डिजायर की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

- सोलंकी ने कहा, पार्टी का लंबे समय से कार्यकर्ता हो, पूर्व प्रधान हो, ब्लॉक अध्यक्ष हो उसके लिए डिज़ायर की जरूरत क्यों।
- वेद सोलंकी बोले- मुख्यमंत्री बहुत बातें कहते हैं, सभी से हम सहमत हों, जरूरी नहीं।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जनसुनवाई के बाद सोलंकी ने कहा कि ''प्रदेश कांग्रेस में जनसुनवाई शुरू हुई है, इसका मैं स्वागत करता हूं। यहां बहुत सारे लोगों का काम हो रहा है और यह भी देख रहा हूं कि कई पुराने कार्यकर्ता अपने परिजनों के तबादले कराने को लेकर परेशान हो रहे हैं, लेकिन हर विभाग के मंत्री की ओर से तबादला कराने के लिए डिजायर मांगी जा रही है।'' वेद सोलंकी ने कहा कि ''मेरा मानना है और मैं हमेशा कहता रहा हूं कि जो कांग्रेस कार्यकर्ता लंबे समय से पार्टी में काम कर रहा है, जो ब्लॉक अध्यक्ष रहा हो, प्रधान रहा हो, पूर्व विधायक हो, पार्टी का प्रत्याशी बनने से रह गया हो, लेकिन पार्टी का चेहरा हो, ऐसे लोगों के लिए अपने परिजनों का तबादला कराते समय किसी भी विधायक की डिजायर की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।''

यदि कांग्रेस से यह सिस्टम हट जाएगा तो कार्यकर्ताओं का मनोबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वैभव गहलोत क्या रामेश्वर डूडी की राजनीतिक हत्या करना चाहते हैं?'

आर.सी.ए. से नागौर जिला क्रिकेट संघ के निलंबन के बाद सचिव राजेन्द्र सिंह ने आरोप लगाया

जयपुर, 4 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान में क्रिकेट की लड़ाई के जरिए अब राजस्थान कांग्रेस के भीतर का संघर्ष भी तेज हो सकता है। राजस्थान क्रिकेट संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के पुत्र वैभव गहलोत ने जिस नागौर क्रिकेट संघ को निलंबित किया है, उसके अध्यक्ष रामेश्वर डूडी हैं, जो फिलहाल राजस्थान सरकार में ना सिर्फ कैबिनेट मंत्री हैं, बल्कि बीकानेर संभाग के जाट नेता भी है।

नागौर, श्रीगंगानगर और अलवर जिला क्रिकेट संघ के निलंबन के बाद नागौर जिला क्रिकेट संघ के सचिव राजेंद्र सिंह नंदू ने आरोप लगाया है कि रामेश्वर डूडी नागौर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं और उनकी राजनीतिक हत्या करने के लिए ही नागौर जिले को निलंबित किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिस समय रामेश्वर डूडी आरसीए अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ना चाहते थे, उस समय भी उन्हें नामांकन भरने से वंचित किया गया था। ऐसे में अब जब डूडी की अध्यक्षता वाले जिले का निलंबन हुआ है तो कांग्रेस में इसे लेकर संघर्ष हो सकता है।

सोमवार को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की विशेष जनरल बॉडी की हंगामेदार मीटिंग में सबसे पहले नागौर, श्री गंगानगर और अलवर जिलों के संघों को निलंबित करने का फैसला किया गया। इस दौरान नागौर जिला संघ के सचिव राजेंद्र सिंह नांदू ने आरसीए को भ्रष्टाचार का अड्डा बताते हुए खूब हंगामा किया। उन्होंने कहा कि ''राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है और जिस भी क्रिकेट संघ का पदाधिकारी इनके खिलाफ बोलता है,, यह लोग उस पर कार्रवाई करने लग जाते हैं। राजेंद्र ने कहा कि, हम नियमों के आधार पर सलैक्ट होकर यहां पहुंचे हैं। लेकिन यह लोग भूल गए कि वक्त सबका आता है। जब हमारा वक्त आएगा तब हम उनके काले कारनामों को सार्वजनिक कर इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।''

दूसरी ओर इन आरोपो पर आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि इन लोगों के काम की वजह से आरसीए पर बीसीसीआई का एक लंबा बैन लग चुका है। ऐसे में हम नहीं चाहते की दोबारा ऐसी कार्रवाई का सामना करना पड़े। इसलिए जब तक जिला संघों को लेकर इनका स्पष्ट जवाब नहीं मिलता है। तब तक इन तीनों ही जिला संघों को निलंबित करने का सर्व सम्मति से फैसला लिया गया है।

वैभव गहलोत ने बताया कि मीटिंग में जिला संघों को मिलने वाली राशि को बढ़ाकर 3 लाख से 5 लाख करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- आर.सी.ए. को भ्रष्टाचार का अड्डा भी बताया, नागौर क्रिकेट के सचिव राजेन्द्र सिंह नंदू ने।